NBT PAGE 4

प्राइमरी स्कूल से लखनऊ विवि का सफर

75 बरस में लगातार बढ़ीं सुविधाएं, आज देश के जाने-माने विवि में शामिल है एलयू

■ एनबीटी, लखनऊ : 156 साल पहले अमीनाबाद के खयालीगंज में दो कमरों में शुरू हुआ प्राथमिक विद्यालय आज देश के जाने-माने लखनऊ विश्वविद्यालय में तब्दील हो चुका है। इस विवि में पिछले साल ही अपने सौ बरस का सफर मुकम्मल किया है। आजादी के लिए बगावत का बिगुल भी यहां से फूंका गया था। यहां के छात्रों ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ आंदोलन चलाया तो गोलियों का सामना भी किया। फिर आजादी के बाद पिछले 75 बरस में इसका स्वरूप तेजी से बढ़ा। कभी इसका दायरा दो कमरों का था, जो आज 318 एकड़ का है। इसके साथ साल-दर-साल यहां पढ़ाई और शोध में नए-नए अध्याय जुड़ रहे हैं।

सफर की कहानी

18 अगस्त 1862

में अवध के तालुकेदारों में एक उच्च शैक्षणिक संस्थान की स्थापना पर एकराय बनी। इसका नाम लॉर्ड कैनिंग की याद में रखा गया और कैंसरबाग स्थित उनके निवास में संस्थान शुरू करने पर सहमति बनी। फिर खयालीगंज में चल रहे दो कमरे के स्कूल को कैंसरबाग शिफ्ट कर इसे कैनिंग स्कूल नाम दिया गया।

1 मई 1864

को 200 विद्यार्थियों के साथ यह स्कूल अस्तित्व में आया। दो साल बाद इसे कैंसरबाग के लाल बारादरी में शिफ्ट कर हाई स्कूल की पढ़ाई शुरू करवाई गई और नाम पड़ा- कैनिंग कॉलेज। बाद में विद्यार्थियों की तादाद बढ़ी तो इसे कैंसरबाग के परीखाना में शिफ्ट किया गया।

साल 1878

में यह कॉलेज बादशाहबाग में शिफ्ट किया गया। यह कॉलेज साल 1887 तक कोलकाता विवि से संबद्ध था। फिर इलाहाबाद विवि से संबद्ध किया गया। फिर 25 नवंबर 1920 को लखनऊ विवि वजूद में आया, जिसकी नींव दान, चंदे और आपसी सहयोग से पड़ी थी। इसका पहला सत्र जुलाई 1921 से शुरू हुआ, जो आज भी मुसलसल जारी है।

75 एकड़ में बना है न्यू कैंपस

10 संस्थान और 5 शोधपीठ

8 संकाय और 44 विभाग हैं

183 कॉलेज सम्बद्ध तो एक कॉलेज स्वायत्त है

318 एकड़ का है एलयू परिसर

243 एकड़ में है ओल्ड कैंपस

20,882 विद्यार्थी हैं एलयू कैंपस के, इनमें 232 विदेशी स्टूडेंट हैं

मालवीय हॉल कभी बेनेट हॉल था

एलयू का मालवीय समागार आजादी से पहले बेनेट हॉल के नाम से जाना जाता था। शुरुआत में इस समागार में अंग्रेजी शासकों और विद्वानों की तस्वीरें लगी थीं।

सिराजुद्दीन को मिली थी पहली डिग्री

एलयू में पहली डिग्री सिराजुद्दीन अहमद ने रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान और जूलॉजी के साथ स्नातक में 1922 में हासिल की। वह यूपी के पहले भारतीय डीआईजी भी बने।

1940 में बना था छात्रसंघ भवन और टैगोर पुस्तकालय

एलयू का छात्रसंघ भवन और टैगोर पुस्तकालय आजादी से सात साल पहले साल 1940 में बनकर तैयार हुआ। इस पुस्तकालय में करीब पांच लाख किताबें हैं। इसका नक्शा मशहूर आर्किटेक्ट ग्रिफिन ने तैयार किया। उनके दुनिया से रुख्सत होने के बाद नलींकर ने इसे पूरा किया। रवींद्रनाथ टैगोर भी लविवि में कई बार आए। वहीं, छात्रसंघ ने आजादी के आंदोलन में भी अहम भूमिका निभाई।

मेडिकल कॉलेज में पहला दीक्षांत

कैनिंग कॉलेज को मेडिकल कॉलेज और आईटी कॉलेज को जोड़कर विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया। एलयू का पहला दीक्षांत उस समय मेडिकल कॉलेज यानी केजीएमयू में मनाया गया था।

एलयू से हस्तियों का रिश्ता

एलयू से जुड़े रहे सीपी श्रीवास्तव और डॉ. अवतार सिंह पेंटल को पद्मविभूषण से सम्मानित किया जा चुका है। इसी तरह डॉ. वी मोहिनी गिरि, डॉ. बीएम हेगड़े व डॉ. नरेश त्रेहन को पद्मभूषण मिल चुका है तो सुधीर रंजन खास्तगीर, दिनकर कौशिक, रणवीर सिंह बिष्ट, यशोधर मठपाल, सुकुमार बोस, प्रो. बृजेश कुमार शुक्ल समेत कई हस्तियां पद्मश्री से सम्मानित की जा चुकी हैं।

आर्थिक संकट बड़ी चुनौती

लखनऊ विवि को सरकार से अनुदान फ्रीज होने के बाद 34 करोड़ रुपये का अनुदान ही मिलता है। सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू होने के बाद सिर्फ वेतन पर यहां हर साल 180 करोड़ खर्च होते हैं।

आंदोलन की राहों पर एलयू

वर्ष 1928 पं. जवाहर लाल नेहरू को बचाने के लिए छात्रों ने लाठियां खाईं।

वर्ष 1929: एलयू छात्रसंघ कार्यक्रम में महात्मा गांधी और सरोजनी नायडू का भाषण।

वर्ष 1931: क्रांतिकारियों के खिलाफ मुकदमा लड़ने वाले कुलपति के विरोध में आंदोलन।

वर्ष 1937: अंग्रेजी गवर्नर और मुख्यमंत्री की उपस्थिति में फहराया गया तिरंगा।

वर्ष 1939: नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने छात्रसंघ को संबोधित किया।

वर्ष 1941: अंग्रेजी शासन के खिलाफ छात्रों का आंदोलन, गोलियां भी चलीं।

वर्ष 1942: अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन में एलयू शिक्षक अब्दुल अलीम की गिरफ्तारी।

वर्ष 1949: रजत जयंती समारोह में प्रधानमंत्री समेत 15 विभूतियों को एक मंच पर मानद उपाधि।

वर्ष 1965: हिंदी के लिए छात्रों का आंदोलन।

वर्ष 1973: पीएसी और छात्र आंदोलन।

वर्ष 1974: तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की छात्रावास में चौपाल।

वर्ष 1974: एलयू में जेपी आंदोलन।

वर्ष 2006: लिंगदोह समिति के हिसाब से छात्रसंघ चुनाव कराने के फैसले के बाद विवि बंदी।

छात्रों के लिए सुविधाएं

- स्वास्थ्य और चिकित्सा केंद्र
- 4 कैंटीन, एक कैफे
- चाइल्ड केयर सेंटर
- योगा सेंटर
- सेंट्रल प्लेसमेंट सेल
- काउंसलिंग व गाइड सेल
- जेनसेन कमिटी
- एलयू परामर्श क्लिनिक
- इंटरन कंप्लेंट कमिटी
- कम्प्यूटेशनल सुविधाएं
- छात्र, छात्राओं के लिए छात्रावास
- अतिथि गृह ■ कोचिंग योजना

विभाग और संकाय

आर्ट्स, कॉमर्स, एजुकेशन, फाइन आर्ट्स, विधि, विज्ञान, इंजिनियरिंग व टेक्नोलॉजी, योगा और वैकल्पिक चिकित्सा, आयुर्वेद, यूनानी।

इन कोर्सों में मिलता है दाखिला

14 स्नातक, 72 परास्नातक, 9 विषयों में एमफिल, 43 विषयों में पीएचडी, 15 डिप्लोमा कोर्स, 27 पीजी डिप्लोमा और 12 सर्टिफिकेट कोर्स चलते हैं।

इंस्टिट्यूट और सेंटर

- अभिनव गुप्त इंस्टिट्यूट ऑफ सौंदर्यशास्त्र और शैव दर्शनों
- एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर फॉर इनोवेशन
- डॉ. गिरी लाल गुप्ता इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ
- डॉ. शंकर दयाल शर्मा इंस्टिट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी
- विकास अध्ययन संस्थान
- खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी संस्थान
- हाइड्रोकार्बन, ऊर्जा और भू-संसाधन संस्थान
- प्रबंधन विज्ञान संस्थान
- जनसंचार संस्थान
- पर्यटन अध्ययन संस्थान
- वन्यजीव विज्ञान संस्थान
- महिला अध्ययन संस्थान
- ओएनजीसी उन्नत अध्ययन केंद्र

लाइब्रेरी

- टैगोर लाइब्रेरी
- साइबर लाइब्रेरी व कोऑपरेटिव लेडिंग लाइब्रेरी
- अनुसंधान परियोजना

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू: केंद्रों को भेजे गए स्नातक परीक्षा के निर्देश

लखनऊ | निज संवाददाता

एलयू ने स्नातक परीक्षाओं के लिए कक्ष निरीक्षकों को निर्देश जारी किए हैं। पिछली परीक्षाओं से सबक लेते हुए सख्ती दिखाई है।

विश्वविद्यालय ने कहा कि छात्रों को बुकलेट देते समय सावधानी बरती जाए। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने केंद्रों को निर्देश भी भेज दिए। जिसमें रोल नंबर, बुकलेट सीरीज, बुकलेट सीरीज क्रमांक एवं पेपर कोड आदि अनिवार्य जांच के बाद ही कक्ष निरीक्षक को ओएमआर शीट पर हस्ताक्षर करना होगा। गड़बड़ी पर निरीक्षक जिम्मेदार होंगे। छह अप्रैल से स्नातक प्रथम सेमेस्टर दिसंबर-2020 की परीक्षाएं हैं।

इन बिंदुओं पर खास ध्यान

- परीक्षाओं में छात्रों के बैठने की व्यवस्था अनुक्रमांक के अनुसार हो।
- कक्ष निरीक्षकों को परीक्षा के 30 मिनट पहले कमरों में पहुंचना होगा।
- ओएमआर शीट परीक्षा शुरू होने के 15 मिनट पहले दी जाएगी।
- ओएमआरशीट को ब्लैक या ब्लू प्वाइंट पेन से भरना होगा।

रक्षा अध्ययन के छात्र अब कश्मीर के हालात पढ़ेंगे

लखनऊ | निज संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के रक्षा अध्ययन के बीए फाइनल इयर के छात्र जम्मू-कश्मीर के बदले हालात की पढ़ाई करेंगे।

विभाग ने अप्रैल से शुरू हो रहे नए सेमेस्टर के लिए अपने पाठ्यक्रम को अपग्रेड किया है, जिसमें अन्य चीजों के साथ-साथ बीए के छठे सेमेस्टर में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से जुड़ा एक पेपर भी शामिल किया गया है। विभाग के समन्वयक डॉ. ओपी शुक्ला ने बताया कि नए सेमेस्टर के लिए पाठ्यक्रम को अपग्रेड किया गया है। इसे 100-100 नंबर के एक पेपर के रूप में पढ़ाया जाएगा।

बीए के पहले सेमेस्टर में आधुनिक युद्ध कला, एबीसी वेपन वॉर फेयर (एटॉमिक, बायोलॉजिकल, केमिकल) के बारे में भी विद्यार्थियों को जागरूक किया जाएगा। तीसरे सेमेस्टर में राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौती व खतरे, आंतरिक और बाह्य परिप्रेक्ष्य और गुट निरपेक्ष आंदोलन को शामिल किया गया है।

इसी क्रम में पीजी पहले साल के दूसरे सेमेस्टर में इंटरनेशनल रिलेशन एंड कॉन्फ्लिक्ट रिजोल्यूशन, ह्यूमन राइट्स एंड इंटरनेशनल, डिजास्टर मैनेजमेंट, इंसर्जेंसी एंड टेररिज्म को शामिल किया गया है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

सिटिंग प्लान बिगड़ा तो जिम्मेदारी तय

लविवि का सचल दस्ता करेगा निरीक्षण, छात्रों को न मिले एक ही सीरीज की बुकलेट

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की स्नातक सेमेस्टर परीक्षा में सिटिंग प्लान को कड़ाई से लागू कराया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी कक्ष निरीक्षकों की होगी। छात्रों को रोल नंबर के अनुसार ही ओएमआर शीट और बुकलेट दी जाएगी। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि आगे-पीछे बैठे छात्रों को एक ही सीरीज वाली बुकलेट न मिले, यह कक्ष निरीक्षक को ही सुनिश्चित करना होगा। गड़बड़ी मिलने पर कक्ष निरीक्षक ही जिम्मेदार माने जाएंगे।

लविवि और संबद्ध महाविद्यालयों में स्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा छह अप्रैल से आयोजित होगी। यह परीक्षा गत दिसंबर माह में होने वाली थी, लेकिन कोरोना की वजह से अप्रैल में कराई जा रही है। पूर्व की परीक्षाओं की बात करें तो यूजी और पीजी सेमेस्टर परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर अव्यवस्थाएं और गड़बड़ियां देखने को मिलीं थीं। सिटिंग प्लान की धज्जियां उड़ाई गई थीं और एक ही सीरीज की बुकलेट एक ही कक्षा में बैठे छात्रों को मुहैया करा दी गई थीं। इन गड़बड़ियों पर लगाम लगाने के लिए विवि के परीक्षा विभाग ने सिटिंग प्लान का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने सभी परीक्षा केंद्रों को निर्देश भेज दिए हैं। परीक्षा के दौरान परीक्षा कक्ष में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी मिली तो इसकी जिम्मेदारी कक्ष निरीक्षकों की होगी। जारी निर्देश के अनुसार परीक्षा कक्ष में छात्रों को अनुक्रमांक के अनुसार बैठाया जाएगा। परीक्षा के कक्ष के सिटिंग प्लान को बाकायदा सूचना पट्ट पर दर्शाना होगा। अनुक्रमांक के अनुसार छात्रों को ओएमआर शीट और बुकलेट उपलब्ध कराई जाएगी। बुकलेट की ए, बी, सी, डी सीरीज को जांच कर अलग-अलग छात्र को अलग सीरीज की बुकलेट दी जाएगी।

■ हर हाल में चालू रहें सीसीटीवी कैमरे

सीसीटीवी कैमरे को हर हाल में चालू रखने के निर्देश दिए हैं। वॉयस रिकॉर्डर युक्त कैमरे लगाने के निर्देश हैं। पूरी परीक्षा की रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखनी होगी। संदेह होने पर लविवि के मांगने पर रिकॉर्डिंग उपलब्ध करानी होगी। प्रश्नपत्र के पैकेट सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में ही खोले और वितरित किए जाएंगे। परीक्षा कक्ष में छात्रों को ओएमआर शीट परीक्षा शुरू होने के 15 मिनट पहले दी जाएगी और बुकलेट पांच मिनट पहले। किसी छात्र के अनुपस्थित होने पर उस क्रम की ओएमआर शीट और बुकलेट जमा करनी होगी।

■ गड़बड़ी पर कक्ष निरीक्षक होगा रिलीव

स्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा के लिए 50 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा संचालित करने की व्यवस्थाओं को लेकर परीक्षा नियंत्रक ने निर्देश जारी कर दिए हैं। सचल दस्तों का भी गठन कर दिया गया है, जो परीक्षा केंद्रों की व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। परीक्षा कक्ष में सीटिंग प्लान, बुकलेट, ओएमआर शीट आदि को लेकर गड़बड़ी मिली तो सचल दस्ता कक्ष निरीक्षक की जवाबदेही तय करेगा। कार्रवाई के तौर पर कक्ष निरीक्षक को तुरंत रिलीव करने का निर्देश जारी किया जाएगा।

JAGRAN CITY PAGE III

क्रम से नहीं बांटी बुकलेट तो कक्ष निरीक्षक जिम्मेदार

लखनऊ विश्वविद्यालय

जासं, लखनऊ: लखनऊ विवि ने पिछली परीक्षाओं से सबक लेते हुए स्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाओं के लिए सख्ती दिखाई है। परीक्षा केंद्रों को निर्देश जारी कर कहा है कि छात्रों को बुकलेट देते समय सावधानी बरती जाए। रोल नंबर, बुकलेट सीरीज (एबीसीडी), बुकलेट सीरीज क्रमांक एवं पेपर कोड आदि अनिवार्य रूप से जांच करने के बाद ही कक्ष निरीक्षक ओएमआर शीट पर हस्ताक्षर करें। अन्यथा कोई गड़बड़ी होने पर कक्ष निरीक्षक ही जिम्मेदार होंगे। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने परीक्षा केंद्रों को निर्देश भेज दिए हैं।

छह अप्रैल से लविवि एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के स्नातक प्रथम सेमेस्टर दिसंबर-2020 की परीक्षाएं शुरू होनी हैं। बीते दिनों हुई यूजी और पीजी सेमेस्टर परीक्षाओं में बुकलेट सीरीज गलत वितरित किए जाने की बात सामने आई थी। यह भी आरोप था कि छात्रों को एक ही सीरीज की बुकलेट दे दी गई। ऐसे में नकलविहीन परीक्षा पर सवाल खड़े हो रहे थे। इस बात को ध्यान में रखते हुए परीक्षा विभाग ने निर्देश जारी किए हैं।

वाइस रिकार्ड रखना अनिवार्य : परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि केंद्रों को निर्देश दिए हैं कि प्रश्न पत्र सीसी कैमरे की निगरानी में खोले जाएं। परीक्षा संचालन की रिकार्डिंग भी सुरक्षित रखनी होगी। जरूरत पड़ने पर विश्वविद्यालय में रिकार्डिंग की सीडी जमा करनी होगी।

इन बातों का रखना होगा ध्यान

- परीक्षाओं में छात्रों के बैठने की व्यवस्था उनके अनुक्रमांक के अनुसार में होगी।
- सूचना पट्ट पर अनुक्रमांक की सूची सीटिंग प्लान के अनुसार प्रदर्शित की जाएगी।
- सभी कक्ष निरीक्षकों को परीक्षा के 30 मिनट पहले कमरों में पहुंचना होगा।
- परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में ओएमआर शीट परीक्षा शुरू होने के 15 मिनट पहले दी जाएगी।
- ओएमआर शीट को ब्लैक या ब्लू प्वाइंट पेन से भरना होगा।
- प्रश्न पुस्तिका परीक्षा प्रारंभ होने से पांच मिनट पूर्व दी जाएगी।
- बुकलेट का वितरण प्रत्येक कालम में आगे से पीछे की ओर से किया जाएगा।
- छात्रों को बुकलेट उनकी सीट के अनुसार बांटी जाएगी।
- अनुपस्थित छात्रों के अनुपस्थित होने पर बुकलेट उसी स्थान पर रखने के थोड़ी देर बाद जमा करनी होगी।